वर्ण

पाठ 3

हम दिन में कई तरह की ध्वनियाँ सुनते हैं। जैसे :

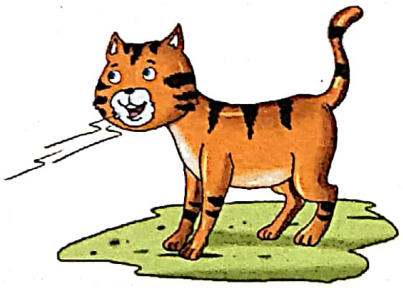

म्याऊँ-म्याऊँ

टिक-टिक

इसी तरह हमारे मुँह से भी कई शब्द विभिन्न ध्वनियों के रूप में निकलते हैं। जैसे - काजल, चुप आदि। इन शब्दों की ध्वनियों को जब हम अलग-अलग लिखते हैं तो ये वर्ण कहलाते हैं। जैसे -

क् + आ + ज् + अ + ल् + अ = काजल

च् + उ + प् + अ = चुप

वर्ण दो प्रकार के होते हैं

- स्वर
- व्यंजन

1. **स्वर** - हिंदी में 11 स्वर होते हैं।

   अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

2. **व्यंजन** - व्यंजन 33 होते हैं।

कवर्ग -	क्	ख्	ग्	घ्	ङ्
चवर्ग -	च्	छ्	ज्	झ्	ञ्
टवर्ग -	ट्	ठ्	ड्	ढ्	ण्
तवर्ग -	त्	थ्	द्	ध्	न्

Scanned with CamScanner

पवर्ग –

प्	फ्	ब्	भ्	म्
य्	र्	ल्	व्	
श्	ष्	स्	ह्	

संयुक्त व्यंजन

क्ष, त्र, ज्ञ और **श्र** दो व्यंजनों के मेल से बनते हैं, इसलिए इन्हें संयुक्त व्यंजन कहा जाता है। जैसे –

ज् + ञ = ज्ञ त् + र = त्र

श् + र = श्र क् + ष = क्ष

Scanned with CamScanner